रायपुर जेल में 3200 बंदी, 1666 बीमार, एचआईवी के भी मरीज मिल

रायपुर। रायपुर केंद्रीय जेल में 1666 बंदी किसी न किसी बीमारी से पीड़ित हैं। यह खुलासा तब हुआ, जब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जेल में डॉक्टर्स भेजकर जांच कराई। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से रिपोर्ट न्यायालय को भेज दी गई है। इनमें टीबी और एचआईवी के 10-10 मरीज भी हैं।

हालांकि अति-गंभीर, गंभीर कोई नहीं है, लेकिन जो बीमार हैं, उन्हें उच्च स्तरीय इलाज मुहैया करवा जा रहा है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर देशभर की जेलों में हेल्थ-चेकअप अभियान चलाया जा रहा है। इसका मकसद बंदियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराना है, क्योंकि ये उनके अधिकार में शामिल है।

कोर्ट के आदेश पर सीएमएचओ रायपुर डॉ. के एस शांडिल्य ने स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स की 3 अलग-अलग टीम गठित की, उन्हें जेल भेजा। करीब 20 दिन में एक-एक मरीज की जांच की गई, उनसे पूछ-पूछकर उन्हें दवाईयां दी गई। इस जांच का एक और मकसद है संक्रमित बंदियों को ढूंढना, क्योंकि संक्रमित मरीज से कई अन्य बीमार पड़ सकते हैं।

जैसे टीबी, तेजी से फैलने वाली बीमारी है। केंद्रीय जेल में 3200बंदी हैं, इनमें से 1600 का बीमार पाया जाना जेल प्रशासन पर सवाल खड़े करता है? ये जांच अक्टूबर-नवंबर में हुई थी। उस समय जेल अधीक्षक राजेंद्र गायकवाड़ थे, जो जेल में हुए बंदियों के आंदोलन, गैंगबार, हत्या की घटना के बाद निलंबित कर दिए गए थे।

किस बीमारी के कितने मरीज

मेडिसीन	- 302
सर्जरी	- 101
अस्थिरोग	- 258
चर्म रोग	- 116
कान-नाक-गला	- 96
नेत्र	- 336
जनरल सर्जरी	- 418
मोतियाबिंद	- 17
एचआईबी	- 10
टीबी	- 10

बीमारियों का कारण ओवर क्राउडिंग भी

रायपुर केंद्रीय जेल की बंदी क्षमता 1300 की है, लेकिन यहां 3200 बंदी को रखा गया है। बीमारी फैलने की एक वजह यह भी होती है। इसलिए नियमित जांच जरूरी है, ताकि समय रहते बीमारी पकड़ में आ जाए और निदान हो जाए।

ये है प्रदेश की जेलों का हाल

आंकड़े के मुताबिक छत्तीसगढ़ की 5 सेंट्रल जेलों में 3804 पुरुष, 294 महिला बंदियों को रखने की क्षमता है। जबकि 10 हजार से अधिक पुरुष व 800 महिला बंदियों को रखा गया है। यह कुल क्षमता से 261 फीसदी अधिक है।

प्रदेश में बदला मौसम का मिजाज

रायपुर। प्रदेश के कई इलाकों में सोमवार सुबह अचानक मौसम का मिजाज बिगड़ गया। अंबिकापुर के सरगुजा में मौसम रविवार से काले बादल छाए रहे और सुबह अचानक बूंदाबांदी होने लगी। ठंड के बीच हुई बारिश से लोग परेशानी में आ गए। उधर दरिमा इलाके में जमकर ओलावृष्टि हुई, जिससे किसान चिंतित हैं। सुबह से कई इलाकों में सूरज नहीं निकला, माना जा रहा है कि बादल हटने के बाद कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। बैकुंठपुर में सुबह से हुई बूंदा-बांदी के साथ हवाएं चलती रहीं और आसमान में बादल छाए रहे। अचानक हुई इस बारिश से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और वहीं ओलावृष्टि ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है।

पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा 17 मार्च से होगी शुरू

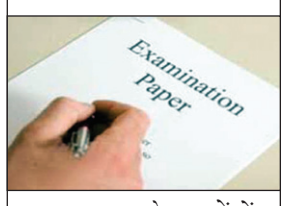

रायपुर । राज्य के स्कूलों में 5 साल बाद राज्य सरकार 5वीं-8वीं की बोर्ड परीक्षा लेने जा रही है। ये परीक्षाएं 17 मार्च से शुरू होगी। पांचवीं की परीक्षा 21 मार्च और आठवीं की परीक्षा 23 मार्च तक चलेगी। बोर्ड परीक्षा में राज्य के 35 हजार प्राइमरी-मिडिल स्कूल से 37 लाख परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। 5वीं की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और 8वीं की सुबह 10 बजे से दोपहर 12-30 बजे तक होगी। 5वीं परीक्षा स्कूल स्तर पर ही होगी, लेकिन 8 वीं की परीक्षा का सेंटर निर्धारित कर दूसरे स्कूलों में परीक्षा कराई जाएगी। इसी तरह मूल्यांकन भी एक-दूसरे स्कूल में कॉपियों को अदल-बदल कर कराया जाएगा। गौरतलब है कि 2010 में आरटीई लागू होने के बाद परीक्षा लेने का सिस्टम खत्म कर दिया गया था।

रायपुर स्टेशन को बम से उड़ाने दी थी धमकी, युवक पकड़ाया

रायपुर। रायपुर रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले बेमेतरा जिले के युवक को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर रविवार को गिरफ्तार कर लिया। ग्राम खैरी निवासी जगेसर (28) पिता भगोला सतनामी फिलहाल डडजरा में रहता है। नशे के आदी जगेसर ने शनिवार को दोपहर 3 बजे डीआरएम दफ्तर के कंट्रोल रूम में टोल फ्री नंबर 182 पर कॉल कर कहा था- मैं जावेद बोल रहा हूं।

कोरबा से आने वाली ट्रेन में 10 आतंकवादी आ रहे हैं। 1 जनवरी को रायपुर रेलवे स्टेशन को बम से उड़ा दिया जाएगा। यह कॉल सउनि के बी थापा ने रिसीव किया था। उन्होंने इसकी जानकारी रेलवे के आला अधिकारियों को दी तो थोड़ी देर के लिए हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी रेलवे पोस्ट के प्रभारी राजीव रंजन ने खमतराई पुलिस को दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए धमकी देने वाले शख्स के खिलाफ धारा 507 का जुर्म कायम किया गया।

पांच थानों की पुलिस ने किया ट्रेस आउट

आरोपी जगेसर ने 9907201572 नंबर से कॉल किया था। पांच थानों गंज, गोलबाजार, गुढ़ियारी, खमतराई, मौदहापारा की टीम के साथ जीआरपी, आरपीएफ और क्राइम ब्रांच की टीमें लोकेशन ट्रेस आउट करने में जुट गईं। लोकेशन बेमेतरा ट्रेस आउट होते ही एक टीम को वहां रवाना किया गया। बेमेतरा पुलिस को इसकी जानकारी देकर मदद मांगी गई। बेमेतरा पुलिस ने रविवार को खैरी गांव में दबिश देकर आरोपी जगेसर को धर दबोचा। शाम को आरोपी को यहां लेकर पुलिस टीम पहुंची।

दो बार किया था कॉल

नशे की हालत में जगेसर ने 2 बजकर 51 मिनट पर पहला कॉल किया। इसके बाद 3 बजे दोबारा कॉल कर धमकी दी थी।

मधुमक्खी छत्ते से बनाई टीबी की दवा, मिला यंग साइंटिस्ट का अवार्ड

बिलासपुर। शोधार्थी निशा साहू ने मधुमक्खी के छत्ते और जावेद अहमद मलिक ने सरपुंखा के पौधे पर शोध कर के टीबी की दवा के कुप्रभाव से लीवर व शरीर के अन्य हिस्सों में होने वाली परेशानियों को दूर करने की दवा ईजाद की। उन्होंने अपनी दवा का प्रयोग सफेद चूहों पर किया और उनका दावा है कि उनकी दवा टीबी की दवा के साइड इफेक्ट न केवल रोकेगा, बल्कि मरीज को जल्दी रोगमुक्त भी करेगा। इस शोध के लिए दोनों रिसर्चर को 7 और 8 दिसंबर 2016 में इंटरनेशनल यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित भी किया जा चुका है।

गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के जूलॉजी डिपार्टमेंट में डॉ. मोनिका भदौरिया के निर्देशन में पीएचडी कर रहे दो शोधार्थियों को टीबी की दवा के इस्तेमाल से होने वाले कुप्रभावों ने इतना व्यथित किया कि वह इसकी काट ढूंढने के लिए प्रेरित हो गए। निशा साहू ने अपने शोध के बारे में बताया कि मधुमक्खी के छत्ते के प्रोपॉलिस (घेरे के बीच से निकलने वाला पदार्थ) को निकाल कर उसे 100 डिग्री सेल्सियस पर गर्म कर मुख्य प्रोपॉलिस को अलग कर लेते हैं। इसके बाद इसे 70 डिग्री सेल्सियस पर एल्कोहल एक्सट्रैक्शन करते हैं। जो सॉलिड फार्म में मिल जाता है। इसी तरह जावेद अहमद मलिक गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में ही उपस्थित सरपुंखा के पौधे पर शोध कर रहे हैं।

पुणे में 7 व 8 दिसंबर को इंटरनेशनल साइंस कम्यूनिटी द्वारा आयोजित सेमीनार में बिलासपुर से निशा व जावेद ने हिस्सा लिया था। इसमें श्रीलंका, जापान, नाइजीरिया सहित अन्य देशों से लगभग 400 यंग साइंटिस्टों ने हिस्सा लिया। इसमें निशा और जावेद ने इस थैरेपी को प्रेजेंट किया। जो सराहा गया और निशा और जावेद को यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया और इस शोध पर आगे कार्य करने प्रेरित किया गया। इस अवार्ड के लिए सेंट्रल यूनिवर्सिटी की कुलपति अंजिला गुप्ता ने शोधार्थियों की सराहना की है। निशा और जावेद का दावा है कि उनकी बनाई दवाओं का उपयोग अगर टीबी की दवा के साथ किया गया तो टीबी की बीमारी जल्द दूर होगी। इसी प्रकार दवा का शरीर के किसी भी हिस्से में साइड इफेक्ट भी नहीं होगा। जो केवल टीबी की दवा खाने पर होता है।

पंच ने घर में घुसकर छेड़ा, पुलिस ने नहीं लिखी रिपोर्ट किशोरी ने खा लिया जहर

बिलासपुर। आरोपी पंच के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो छेड़खानी पीड़ित किशोरी ने शुक्रवार को जहर खा लिया। उसे सिम्स में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। मामला सीपत थाना क्षेत्र का है। 18 दिन पहले किशोरी के साथ जब घटना हुई तो वह थाने गई। पुलिस ने साधारण धारा लगाकर उसे चलता कर दिया था। किशोरी ने इसकी शिकायत एएसपी अर्चना झा से भी की और कार्रवाई नहीं होने पर खुदकुशी करने की धमकी दी। इसके बाद भी इस मामले में गंभीरता नहीं बरती गई। किशोरी के जहर खाने के बाद पुलिस अब खुद को बचाने में जुट गई है। सीपत थाना क्षेत्र की 16 वर्षीय किशोरी के पिता 12 दिसंबर को घर घुसकर उच्चभठ्ठी के पंच प्रेमलाल सारथी ने दुष्कर्म करने की नीयत से छेड़खानी की थी। विरोध करने पर उसने किशोरी की इतनी पिटाई की कि वह बेहोश हो गई। उसके सिर और आंख में चोटें आई। किशोरी की छोटी बहन इस बात की गवाह है। उसने ही खेत जाकर पिता को घटना की जानकारी दी तब वह घर गया और किशोरी को बेहोशी की हालत में लेकर सीपत थाने पहुंचा। यहां से 108 में उसे सिम्स लाया गया। मामला सरपंच के करीबी व पंच का होने के कारण सीपत पुलिस ने इस केस में मारपीट की सामान्य धारा 294,506,323 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया था। जब वह अस्पताल से घर पहुंची और पुलिस ने कार्रवाई में छेड़खानी की धारा नहीं जोड़ी तो 13 दिन बाद वह 22 दिसंबर को अपने पिता के साथ एएसपी ग्रामीण अर्चना झा से आकर मिली और पूरी कहानी बताई। एएसपी ने पीड़िता व उसके परिजनों के सामने ही सीपत टीआई को फोन कर इस केस की जानकारी लेकर छेड़खानी की धाराएं जोड़ने के लिए कहा पर टीआई ने बात नहीं मानी।

कैशलेस सिस्टम में रहें सावधान, नहीं तो कट जाएगी जेब

रायपुर। केंद्र शासन पुरजोर कोशिश कर रहा है कि देश में जल्द से जल्द कैशलेस ट्रंजेक्शन सिस्टम शुरु हो। इससे व्यक्ति द्वारा खर्च किया गया पैसा शासन की नजर में रहेगा, साथ ही लोगों की परेशानियां भी खत्म होंगी।

एसबीआई के जनसंपर्क अधिकारी जयंत वर्मा और इलाहाबाद के हरिशचंद रिसर्च सेंटर के प्रोफेसर से कैशलेस सिस्टम के बारे में बात की। दोनों ने बताया कि कैशलेस होने के लिए आपके पास बैंक खाता होना अनिवार्य है। इसके बाद एटीएम, डेबिट-क्रेडिट कार्ड या मोबाइल वॉलेट के इस्तेमाल से आप कैशलेस सिस्टम को अपना सकते हैं। इन कार्डों के लिए बैंक में आवेदन करना होगा। एसबीआई के अधिकारी ने कार्ड लेने के बाद की पूरी जानकारी दी। कार्ड स्वाइप होते समय नजर रखें। कोशिश करें कि यह आपके सामने ही हो। खाली केडिट कार्ड रसीद पर साइन न करें। खाली स्थान पर एक लाइन खींच दें। रेस्त्रां, शॉपिंग मॉल के सर्वे फॉर्म में निजी जानकारी न

भरें। लेन-देन या शॉपिंग के लिए सुरक्षित वेबसाइट का इस्तेमाल करें। साइट के सबसे नीचे लॉक इमेज, यूआरएल का आरंभ एचटीटीपी से होना चाहिए , इससे खरीदी को इंक्रिप्शन के साथ सुरक्षित रखने की पुष्टि होती है। कार्ड से खरीदी के बाद वेबसाइट से लॉग ऑफ हो जाएं और ब्राउजर कुकी को डिलीट कर दें। पासवर्ड के लिए वर्चुअल कीबोर्ड का इस्तेमाल करें। किसी अज्ञात स्रोत के साथ खाते का विवरण साझा न करें। सार्वजनिक स्थानों में शेयर्ड या सायबर कैफे से नेटबैंकिंग एक्सेस, क्रेडिट/डेबिट कार्ड से भुगतान न करें। अज्ञात ई-मेल अटेचमेंट और इन्स्टेंट मैसेज डाउनलोड लिंक पर क्लिक न करें।

पासवर्ड सुरक्षित रखें

एटीएम मिलने पर पासवर्ड याद कर लें, क्योंकि दो से ज्यादा बार गलत पासवर्ड डालने पर कार्ड 24 घंटे के लिए ब्लॉक हो जाता है। कार्ड के पीछे पासवर्ड न लिखें। एटीएम में पीछे खड़े व्यक्ति को बेहिचक थोड़ा दूर जाने या बाहर खड़े होने बोलें। मदद लेनी हो तो गार्ड से लें, क्योंकि उसकी जानकारी एजेंसी में जमा रहती है। ट्रांजेक्शन के समय एटीएम पिन नम्बर को हथेली से छुपा दें। मशीन से निकली रसीद को टुकड़ों में फाड़ दें। एटीएम पिन हर तीन महीने बदल दें।

नया कार्ड मिलने पर क्या करें

बैंक या पोस्ट से मिले एटीएम, डेबिट या केडिट कार्ड का सीलबंद लिफाफा ही स्वीकार करें। कार्ड के पीछे हस्ताक्षर करें और पीछे छपे तीन अंकों के सीवीवी नंबर गुप्त रखें। अकाउंट में फोन नंबर रजिस्टर्ड करा लें और बैंक से मिला पिन कोड बदल लें। प्रोफेसर कल्याण च वर्ती ने ट्रंजेक्शन को सुरक्षित रखने के तरीके बताए।

कानन पेंडारी में में टूटा रिकार्ड, 33 हजार 776 पर्यटक पहुंचे

बिलासपुर। साल के पहले दिन रविवार को कानन पेंडारी में पर्यटकों की भीड़ ने पुराने रिकार्ड तोड़ दिए। जू प्रबंधन ने 33 हजार 776 पर्यटकों की संख्या दर्ज की है। यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में 8 हजार अधिक है। पर्यटकों से जू प्रबंधन को 5 लाख 93 हजार 156 रुपए राजस्व प्राप्त हुआ।

कानन पेंडारी जू शहर से करीब सबसे प्रमुख व लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यही वजह है कि यहां सामान्य दिनों में भी भीड़ रहती है। यहां साल के पहले दिन सबसे अधिक सैलानी आते हैं। इसके लिए जू प्रबंधन महीने भर से तैयारी में जुटा था। पिछले साल के आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए इस बार और पुख्ता तैयारी की गई थी। सुबह 9.30 बजे जू खुलता है। रविवार को जू खुलने से पहले पर्यटक पहुंचने लगे। ताकि टिकट के लिए कतार न लगना पड़े और किसी तरह की अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। सुबह 11 बजे तक पर्यटकों की संख्या सामान्य थी। एक घंटे के भीतर पर्यटक बढने लगे। दोपहर 1 बजे के बाद जू में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। बाल उद्यान, राजी उद्यान से लेकर

कोई जगह खाली नहीं थी। बच्चे झूले व फिसलपट्टी का लुत्फ उठाते नजर आए। टाय ट्रेन व बैटरी कार के लिए इंतजार करना पड़ा। पर्यटक नए साल का पहले दिन जू में मौज-मस्ती के साथ गुजारना चाहते थे। यही वजह है कि शाम 5.30 बजे तक पर्यटकों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा।

उनके इस उत्साह को देखकर जू प्रबंधन ने भी प्रवेश का समय आधे घंटे बढा दिया। पहले शाम 5 बजे तक ही प्रवेश देने का निर्णय लिया गया था। शाम को जैसे ही जू बंद हुआ और इसके बाद अलग- अलग काउंटरों से टिकट बिक्री के आंकड़े आते गए। दो घंटे गिनतों करने के बाद जो आंकड़े सामने आए, उससे जू प्रबंधन खुद हैरत में पड़ गया। इस रविवार को सर्वाधिक पर्यटक जू पहुंचे थे। 33 हजार 776 पर्यटकों में 27 हजार 550 बच्चे और 26 हजार 246 वयस्क पर्यटक शामिल हैं।

तीन साल के आंकड़े

वर्ष -	संख्या -	राजस्व
2015 -	17574 -	3 लाख 27 हजार
2016 -	25146 -	4 लाख 17 हजार
2017 -	33776 -	5 लाख 93 हजार 156

एक घंटे देर से बंद हुआ जू

शाम 5.30 बजे तक प्रवेश देने की वजह से जू को खाली कराने के लिए कानन प्रबंधन को भारी मशक्कत करनी पड़ी। शाम 6 बजे जू बंद होता है। पर्यटकों की मौजूदगी की वजह से एक घंटे अतिरिक्त समय लग गया। शाम 7 बजे बंद होने के बाद वनकर्मियों को राहत मिली।

बिलासा ताल में पहुंचे ढाई हजार सैलानी

कानन के साथ कोनी स्थित बिलासा ताल में भी नए साल का जश्न मनाने के लिए पर्यटकों की भीड़ रही। यहां 2 हजार 437 पर्यटक पहुंचे। इससे वन विभाग को 42 हजार 800 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। वहीं पार्किंग से 5 हजार 535 का राजस्व मिला।

राज्य की संभावित टी-20 टीम में शहर के पांच क्रिकेटर

बिलासपुर। राज्य की संभावित टी-20 टीम में शहर के पांच क्रिकेटरों का चयन हुआ है। इससे एक बार फिर उनके पास शहर का नाम रोशन करने का मौका हाथ आया है। इन पांच खिलाड़ियों में से 3 रणजी टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं। राज्य क्रिकेट संघ की ओर से हुए सलेक्शन मैच में बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए शहर के 5 खिलाड़ियों को राज्य की 30 सदस्यीय संभावित टीम में चयन किया गया है। जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष विजय केशरवानी का कहना है कि इससे शहर के खिलाड़ियों का मनोबल बढा है। शहर में क्रिकेट प्रतिभा की कमी नहीं है। राज्य की वन डे टीम में भी इससे कहीं ज्यादा शहर के खिलाड़ियों के चयनित होने की उम्मीद है। उनका कहना है कि संभावित टीम का हिस्सा बनने वाले प्लेयर इंटरनेशनल क्रिकेटर से कहीं ज्यादा शहर के प्रतिभावान सीनियर क्रिकेटरों के खेल से प्रभावित हैं।

15 साल बाद ओपन यूनिवर्सिटी की अपनी खुद की होगी किताबें

बिलासपुर। पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के परीक्षार्थियों को 15 साल बाद खुद की किताबें पढने को मिलेगी। नए साल के शुरुआत के साथ प्रबंधन ने दावा किया है कि सेल्फ लर्निंग मटेरियल यानी एसएलएम में 85 फीसद काम पूरा हो चुका है। प्रदेश के प्राध्यापकों की मदद से यह सफलता मिली है। मार्च-अप्रैल तक सौ फीसद का लक्ष्य हासिल करने का दावा किया जा रहा है। मुक्त विश्वविद्यालय स्थापना के बाद से अब तक प्रबंधन खुद की किताब छापने में असफल रहा। परीक्षार्थियों के लिए दूसरे प्रदेशों के विश्वविद्यालयों से किताब मंगवाई जाती थी। कुलपति डॉ. बंश गोपाल सिंह के आने के बाद बोर्ड ऑफ स्टडी की बैठक में सेल्फ लर्निंग मटेरियल खुद तैयार करने निर्णय लिया गया था। दिसंबर 2016 तक प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक 85 फीसदी काम पूरा हो चुका है। स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स के विद्यार्थी अब विश्वविद्यालय में छपी किताब से अध्ययन कर पाएंगे। प्रबंधक का दावा है कि प्रदेश के पांच क्षेत्रीय कार्यालय व एक उपक्षेत्रीय

कार्यालय सहित 108 अध्ययन केंद्र के तकरीब 30 हजार परीक्षार्थियों को इसका लाभ मिलेगा।

ज्ञात हो की मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में स्व अध्ययन सामग्री का महत्व है। एक वर्ष पूर्व स्व अध्ययन किताबों की संख्या जहां 12 थी अब 80 से ऊपर पहुंच गई है। मार्च अप्रैल तक दावा किया जा रहा है कि सभी 125 किताबों का संपादन पूरा हो जाएगा। प्रदेश के दूसरे विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों की मदद लेकर काम पूरा किया जा रहा है।

मुक्त विश्वविद्यालय प्रबंधन इसके पहले किताब के मामले मे छग राज्य हिन्दी अकादमिक के अलावा वर्धमान मुक्त विश्वविद्यालय कोटा राजस्थान और भोज यूनिवर्सिटी मध्यप्रदेश के भरोसे था। लेकिन अब 15 साल बाद खुद की किताब से युवाओं को स्टडी कराएंगे। हालांकी इन किताबों को विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को तैयार करना था लेकिन अभी भी इसमें पीछे है। प्रबंधन बोर्ड ऑफ स्टडी से निर्णय कर ओपन टेंडर कर पब्लिशर के माध्यम से प्रिंटिंग करवा रहा है। जिसे प्रदेश के दूसरे विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा तैयार किया जा रहा है।

सत्र 2016-17 की मुख्य परीक्षा में शामिल होने आवेदन के लिए इस वर्ष ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों व्यवस्था थी। इसमें 29400 परीक्षार्थियों ने प्रवेश लिया है। जो पिछले तीन चार वर्षों में सर्वाधिक है। वर्तमान में यूजी के बीए, बीएससी व बी कॉम, बी लिब बीएड सहित पीजी के एमए ,एमएससी व एमएसडब्ल्यू के चुनिंदा पाठ्यक्रम संचालित है।

इसके अलावा डिप्लोमा व सर्टिफिकेट के योगा, मार्केटिंग, काउंसिलिंग इत्यादी की पढाई हो रही है।